sunday pioneer
LUCKNOW I SUNDAY I APRIL 3, 2016

HM highlights govt schemes for farmers

PIONEER NEWS SERVICE ■ LUCKNOW

An awareness programme on "Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana" was inaugurated by Home Minister Rajnath Singh at ICAR-Indian Institute of Sugarcane Research on Monday.

In his inaugural address, the Home Minister highlighted various ambitious schemes of the Central government in the interest of farmers. While addressing a large gathering of farmers, scientists and officers from Lucknow, Sitapur, Unnao, Auraiya, Hardoi, Rae Bareli, the minister said that hundred districts of the country had been targeted under the PM's agriculture irrigation scheme and by 2016-end, the irrigation plan of those districts would be finalised. He said that river linking scheme would be strengthened for making the excess flood water available to dry and drought-prone areas.

He stressed on the government's commitment for improvement of soil health conditions in farmers' fields and added that over one crore soil health cards had been issued by March 2016.

"For promoting the traditional and organic farming, more than 8000 organic clusters are working in the country," he pointed out.

Highlighting special features of Fasal Bima Yojana, he said that farmers would have to pay a very low premium for insuring their crops which would be 2 per cent for kharif crops, 1.5 per cent for rabi crops and 5 per cent for commercial and horticultural crops and the same could be easily paid by even small and marginal farmers. He pointed out that the remaining amount of the premium would be borne by the government.

On the occasion, four progressive farmers, including two women farmers, were honoured with Deen Dayal Antyoday Kisan Samman by the chief guest for their extraordinary contribution in harvesting impressive dividends from their very small land holdings. These included wife of Ramesh Verma of Gossainganj block, wife of Ramchandra Yadav of Sarojini Nagar block and Bitana Devi of Mohanlalganj block.

The minister also took a round of exhibitions stalls of ICAR institutes and other agencies and interacted with scientists and development officials. MP from Mohanlalganj Kaushal Kishore, who was the guest of honour, emphasised on the promotion of locally adaptable varieties of crops instead of hybrids. He also appealed to farmers to promote organic farming for better soil health and improving farm income.

Director, ICAR-IISR, AD Pathak welcomed the chief guest and highlighted the significant achievements of the institute and its commitment for the uplift of sugarcane growers through various extension activities like Soil Health Card distribution, Mera Gaon Mera Gaurav Scheme and Skill Entrepreneurship Development Programme.

Director, ICAR-ATARI, Kanpur, US Gautam briefed the chief guest and participating farmers about the significant role of Krishi Vigyan Kendras of Uttar Pradesh in demonstrating and popularising the location-specific technologies and capacity-building of farmers, farm-women and other stakeholders. Organising secretary of the event AK Sah gave information about the institute's activities and production technologies to 4000 farmers who had participated in a kisan sammelan and pre-kharif workshop organised on the occasion.

'FARMERS NEGLECTED AFTER INDEPENDENCE'

LUCKNOW: Formally launching the Centre's much touted Prime Minister Crop Insurance Scheme in his constituency here on Saturday, home minister Rajnath Singh said the gross neglect of farmers after Independence had significantly reduced agriculture's share in the country's gross domestic product (GDP).

Singh was speaking at a function held at Indian Institute of Sugarcane Research (IISR) in Lucknow on Saturday.

He said a farmer was not merely an 'annadata' (food giver) but also a janmadata (birth giver) of social, economic and political movements. Farmers, he reminded, had played a key role in the country's freedom struggle. Claiming that the recently introduced crop insurance scheme would go a long way in benefitting the cultivators, he urged the farmers to avail themselves of the scheme. He also gave the Deen Dayal Antoday Award to the district's four progressive farmers, two of them women, for earning maximum profit from the limited agricultural land available to them. **HTC**

Students taking a selfie with Union minister for minorities welfare Najma Heptulla at a function held at Integral University Campus, Lucknow and (right) Union home minister Rajnath Singh looking at the exhibits at a function organised at IISR on Saturday. ASHOK DUTTA/HT

स्मार्ट सिटी के साथ अब स्मार्ट विलेज भी: राजनाथ

■ प्रसं, लखनऊः स्मार्ट सिटी के साथ केंद्र सरकार अब स्मार्ट विलेज भी बनाएगी। पहले चरण में 300 स्मार्ट विलेज बनाए जाएंगे। यह जानकारी केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में दी। उन्होंने शनिवार को गन्ना अनुसंधान संस्थान में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की वर्कशॉप की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि इन स्मार्ट गांवों में सड़क, बिजली, पानी से लेकर किसानों के लिए सिंचाई सहित हर चीज की सुविधा मुहैया होगी। किसान अपना माल आसानी से कहीं भी बेच सकें, इसकी भी व्यवस्था स्मार्ट गांवों में की जाएगी।

बुंदेलखंड में जिम्मेदारी निभाए राज्य सरकारः राजनाथ सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बुंदेलखंड के मुद्दे पर प्रदेश सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाए। आरोप-प्रत्यारोप से किसानों का भला नहीं होगा। केंद्र सरकार बुंदेलखंड के किसानों के लिए राज्य सरकार की हर संभव मदद को तैयार है।

इसी साल तैयार होगा 100 जिलों का इरीगेशन प्लानः राजनाथ सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री सिंचाई योजना लागू की है। हालांकि इसमें अभी टोकन मनी के तौर पर 5300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसी साल नवंबर तक 100 जिलों में इरीगेशन प्लान तैयार हो जाएगा। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नदियों को जोड़ने का काम शुरू किया था। कई प्रदेशों में यह काम शुरू हो गया है। योजना को केंद्र आगे बढ़ाएगी। 2017 तक नौ करोड़ किसानों को सॉइल हेल्थ कार्ड मुहैया कराया जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री ने यह भी बताया कि हमारी कोशिश है कि 2022 तक किसान की आमदनी दोगुनी कर देंगे।

चार किसानों को पुरस्कारः राजनाथ सिंह ने चार उन्नतशील किसानों को सम्मानित किया। एक एकड़ में विदेशी सब्जियां उगाकर अच्छी कमाई करने वाले कासिमपुरवा लखनऊ के किसान रमेश वर्मा को सम्मानित किया। इसके अलावा एक गाय से दूध का कारोबार शुरू करके आज 35 पशुओं से व्यवसाय कर रहीं मोहनलालगंज की महिला किसान बिटाना देवी को पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय कृषक सम्मान दिया गया। वहीं दो अन्य किसान सरोजनी नगर के रामचंद्र यादव और कमला देवी को भी उन्होंने पुरस्कृत किया।

10 मदरसों में स्किल डिवेलपमेंट प्रोग्राम शुरू

राजनाथ और नजमा ने इंटीग्रल यूनीवर्सिटी में की शुरुआत

■ प्रसं, लखनऊः राजनाथ सिंह ने शनिवार को मदरसों में स्किल डिवेलपमेंट सेंटर खोले जाने की शुरुआत की। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में आयोजित समारोह में उन्होंने 10 मदरसों में इस योजना को शुरू किया। पहली बार यूनीवर्सिटी पहुंचे राजनाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के कुलपति से शिकायत की कि आपने मुझे आज तक अपने परिसर में नहीं बुलाया। इस मौके पर केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री नजमा हेपतुल्ला भी मौजूद थीं। नजमा हेपतुल्ला ने कहा कि हम अपने इस कार्यक्रम के तहत 25 हजार बच्चों को तालीम दे रहे हैं।

यहां शुरू हुए सेंटरः लखनऊ में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, दुबग्गा, मड़ियांव, सआदतगंज, अबरार नगर और गोमती नगर सहित आठ मदरसों के अलावा खीरी और मऊ में एक-एक मदरसे में कौशल विकास केंद्रों की शुरुआत शनिवार को गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने की।

लखनऊ, रविवार, 3 अप्रैल, 2016

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी एवं इलाहाबाद से प्रकाशित

शहरयार ने कहा इस्तीफे की खबर झूठी - 15

मृदा स्वास्थ्य के प्रति सरकार चिन्तितः राजनाथ

आइआइएसआर में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जागरुकता कार्यक्रम का किया शुभारम्भ

लखनऊ। केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार किसानों के खेती के मृदा स्वास्थ्य के प्रति चिन्तित है। इसी कारण विगत मार्च महीने में एक करोड़ किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किया जा चुका है और 2017 के अन्त तक 9 करोड़ किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड देने का लक्ष्य है। परम्परागत और जैविक कृषि को बढ़ावा देने के लिए देश भर में 8,000 से अधिक जैविक कलस्टर्स कार्य कर रहे है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के मुख्य बिन्दुओं की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि अपनी फसलों का बीमा कराने हेतु खरीफ फसलों के लिए 2 प्रतिशत, रबी फसलों के लिए 1.5 प्रतिशत तथा उद्यान व व्यावसायिक फसलों के लिए मात्र 5 प्रतिशत का अंशदान देना होगा ,जिसे लघु एवं सीमान्त कृषक भी सुगमता से

उद्घाटन

- **लघु व सीमान्त कृषकों के लिए योजना लाभाप्रद होगी साबित**

अदा करके योजना का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना में अंशदान का शेष भाग सरकार वहन करेगी।

श्री सिंह ने यह बातें शनिवार को रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आइआइएसआर) में आयोजित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए अपने संबोधन में कहीं।

उन्होंने देश के किसानों के कल्याण के लिए केन्द्र द्वारा चालू की गयी विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी। *वसं.*

100 जिले जुड़ेंगे पीएम कृषि सिंचाई योजना से

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में इस साल देश के 100 जिलों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और इस वर्ष के अन्त तक इन जिलों की सिंचाई योजना तैयार हो जाएगी। इसी प्रकार शुष्क एवं सूखे क्षेत्रों में बाढ़ के पानी को उपलबध कराने के लिए नदियों को जोड़ने की योजना का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। इस अवसर पर लखनऊ जिले के चार उन्नत कृषको जिनमें दो कृषक महिलाएं भी सम्मिलित हैं को अपनी सीमित जोत से अधिकतम आय अर्जित करने हेतु मुख्य अतिथि द्वारा दीन दयाल अन्तयोदय किसान सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मानित कृषकों-कृषक महिलाओं में विकास खण्ड गोसाईगंज के रमेश वर्मा, विकास खण्ड सरोजनीनगर के रामचन्द्र यादव व कमला देवी व विकास खण्ड मोहनलालगंज की बिटाना देवी सम्मिलित रही।

किसान सम्मेलन में 4000 कृषकों ने की शिरकत

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डा. एडी पाठक ने संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए गन्ना किसानों के कल्याण के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण योजना, मेरा गाँव मेरा गौरव, उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रम जैसी कई योजनाओं का जिक्र किया। कार्यक्रम के आयोजक सचिव डा. एके साह ने इस दौरान आयोजित एक किसान सम्मेलन एवं खरीफ पूर्व कार्यशाला में भाग ले रहे 4,000 कृषकों को फसल उत्पादन तकनीक तथा संस्थान द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम पर जानकारी प्रदान किया। कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए हजारों की संख्या में किसान और उद्यमी शामिल हुए।

कृषि प्रदर्शनी का भ्रमण कर वैज्ञानिकों व विकास अधिकारियों से मिले

इस मौके पर लगी कृषि प्रदर्शनी में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों व अन्य संस्थानों के स्टालों का भ्रमण कर वैज्ञानिको और विकास अधिकारियों से विचार-विमर्श भी किया। समारोह के विशिष्ट अतिथि के रुप में मोहनलालगंज के सांसद कौशल किशोर ने फसलों के बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा विकसित संकर बीजों के स्थान पर स्थानीय रूप से विकसित देसी प्रजातियों के बीज को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने कृषकों से बेहतर मृदा स्वास्थ्य एवं कृषि आय बढ़ाने के लिए जैविक खते अपनाने की अपील की।

किसान अब घर बैठे बेच सकेंगे उत्पाद : गृहमंत्री

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि किसानों को अपना उत्पाद बेचने के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा। जल्द ही केन्द्र सरकार गांवों में ई-प्लेटफार्म की व्यवस्था शुरू करेगी। इससे किसान अपनी फसल घर बैठे नजदीकी बाजारों व अन्य राज्यों को भी बेच सकेगा।

गृहमंत्री शनिवार को तेलीबाग स्थित गन्ना अनुसंधान संस्थान में जागरूकता कार्यक्रम व प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के औपचारिक उद्घाटन पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। उन्होंने कहा आजादी के संग्राम में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद तवज्जो नहीं मिली। भाजपा सरकार ने कई योजनाएं शुरू की है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट स्मार्ट सिटी के साथ स्मार्ट विलेज योजना बनाई गई। पहले चरण में देश के 300 गांवों का चयन होगा। जहां सड़क, पानी, बिजली, स्कूल, अस्पताल की सुविधा होगी।

गृहमंत्री ने कहा कि आजादी के आंदोलन के समय सकल घरेलू उत्पादन में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 52 फीसदी था, जो घटकर 13 फीसदी पर पहुंच गया है। अब किसान खेती करने के बजाय अन्य कार्य करने लगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने करने का

ई-प्लेटफार्म

- गांवों में जल्द शुरू होगा ई-प्लेटफार्म अन्य राज्यों को बेच सकेंगे फसल
- 300 गांवों से स्मार्ट विलेज बनाने की होगी शुरुआत

संकल्प लिया है। बाढ़ व सूखे से बर्बाद होने वाली फसल की भरपाई के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की शुरुआत की गई है। इसमें किसानों को धान की फसल के लिए दो प्रतिशत व अन्य फसल के लिए डेढ़ प्रतिशत प्रीमियम जमा करना है। बाकी भुगतान सरकार करेगी। नदियों को जोड़ने का काम शुरू हो चुका है। मप्र व आंध्र प्रदेश में काम तेजी से चल रहा है। जमीन की जांच के लिए मृदा स्वास्थ्य परीक्षण कार्ड एक करोड़ किसानों को दिया जा चुका है। 2017 तक नौ करोड़ किसानों को कार्ड देने का लक्ष्य दिया है।

केन्द्रीय गृहमंत्री ने जैविक खेती पर जोर दिया। कहा किसानों को खेती की जानकारी देने के लिए काल सेन्टर की स्थापना पहले ही हो चुकी है। उन्होंने कासिमपुर के रामेश वर्मा, मोहनलालगंज की बिटाना देवी, सरोजनीनगर मिर्जापुर की कमला देवी व यहीं के रामचन्द्र यादव आदि किसानों को पुरस्कृत किया। मौके पर सांसद कौशल किशोर भी थे।

हर किसान को मिलेगा बीमा का लाभ

- फसल बीमा योजना कार्यक्रम में बोले गृहमंत्री,
- बिटाना सहित चार किसानों को किया सम्मानित

जासं, लखनऊ : केंद्र सरकार प्रत्येक किसान को फसल बीमा योजना का लाभ देने के लिए काम रही है। अब वह दिन दूर नहीं जब फसल की क्षति होने पर किसान को भटकना नहीं पड़ेगा। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जागरूकता कार्यक्रम' के मौके पर गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने यह बात कही। इस मौके पर सांसद कौशल किशोर भी मौजूद थे।

गृहमंत्री ने कहा कि देश के किसानों के कल्याण के लिए भारत सरकार द्वारा तमाम महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की गयी हैं। लखनऊ, सीतापुर, उन्नाव, औरय्या, हरदोई व रायबरेली जिलों से आए किसानों, वैज्ञानिकों तथा अधिकारियों को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में इस वर्ष देश के 100 जिलों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा इस वर्ष के अंत तक इन जिलों की सिचाई योजना तैयार हो जाएगी।

इस मौके पर गृहमंत्री ने अपनी सीमित जोत से अधिकतम आय अर्जित करने पर 'दीन दयाल अंतयोदय किसान सम्मान' से सम्मानित किया गया। सम्मानित कृषकों/कृषक महिलाओं में विकास खंड गोसाईंगंज के रमेश वर्मा, सरोजनीनगर के रामचंद्र यादव व कमला देवी तथा मोहनलालगंज की बिटाना देवी सम्मिलित थीं।

चेतना विचारधारा
लखनऊ, रविवार 03 अप्रैल 2016

पूरी दुनिया में नहीं है ऐसी फसल बीमा योजना : राजनाथ

विचारधारा संवाददाता

लखनऊ 02 अप्रैल । केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को किसानों से अपील की है कि वो केन्द्र सरकार द्वारा चलायी जा रही प्राानमंत्री फसल बीमा योजना तथा दूसरी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आगे आयें। गृहमंत्री आज भारतीय गन्ना अनुसांान केन्द्र में हो रहे प्राानमंत्री फसल बीमा योजना जागरुकता कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे।

राजनाथ ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी देते हुए कहा कि ऐसी योजना पूरे विश्व में किसी देश में नहीं है जिसमें खड़ी और पड़ी फसल दोनों का ही बीमा होता हो। किसान का खेत खाली रह जाने पर भी उसे बीमा की रकम मिलेगी जिसका प्रीमियम उसे बेहद कम अदा करना पड़ेगा। रबी की फसल के लिए ये रकम सिर्फ 15 फीसदी होगी जबकि खरीफ के लिए महज दो फीसदी, शेष रकम सरकार वहन करेगी।

राजनाथ ने कहा कि प्राानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मिशन है कि 2022 तक देश के हर किसान की आमदनी दोगुनी हो जाए। इसीलिए प्राानमंत्री खासतौर पर किसानो से जुड़ी योजनाओं की हर महीने समीक्षा करते हैं। अब तक सिर्फ 2015 में ही 1 करोड़ किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिया गया है जो कि 2017 तक 9 करोड़ लोगों को देने की योजना है। इसके साथ ही देश भर में 300 गावों को भी स्मार्ट सिटी की तर्ज पर स्मार्ट विलेज बनाने का प्रस्ताव है। किसानों के लिए सिंचाई की आवश्यकता के बारे में बताते हुए गृहमंत्री ने कहा कि 5300 करोड़ का बजट सिर्फ प्राानमंत्री षि सिंचाई योजना के लिए है तथा वर्ष 2016 के खत्म होने तक 100 जिलो में सिंचाई की योजना तैयार कर ली जाएगी। यही नहीं नदियों को जोड़ने की योजना भी मय प्रदेश और आंप्र प्रदेश में तेजी से रूप ले रही है।

वरिष्ठ अधिवक्ता एसजेएस सूरी ने की राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट

लखनऊ, 02 अप्रैल। वरिष्ठ भाजपा अधिवक्ता एसजेएस सूरी आज अपने दर्जनों समर्थकों के साथ केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर उनसे एक शिष्टाचार मुलाकात की।लखनऊ स्थित केन्द्रीय गृहमंत्री के सरकारी आवास चार कालीदास मार्ग पर पूर्व महानगर भाजपा अध्यक्ष मनोहर सिंह व वर्तमान महानगर भाजपा अध्यक्ष मुकेश शर्मा के साथ वरिष्ठ भाजपा अधिवक्ता एसजेएस सूरी ने अपने दर्जनों सिक्ख भाइयों के साथ केन्द्रीय गृहमंत्री से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान श्री सिंह ने श्री सूरी से बायोडाटा लिया और शीघ्र ही उनको संगठन में महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी देने का वादा किया।

डेली न्यूज़ एक्टिविस्ट
लखनऊ, रविवार, 3 अप्रैल 2016
.dailynewsactivist.com

सरकार के लुभावने वादे के बीच फंसा किसानों का जीवन

पीजीआई (डीएनएन)। रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के प्रांगण में शनिवार सुबह 10 बजे भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के तत्वाधान में हजारों किसानों के बीच प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह

- **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जागरुकता कार्यक्रम संपन्न**

बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई से लेकर देश के विकास में किसानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। लेकिन आजादी के बाद बनी सरकारों ने किसानो की उपेक्षा की जिससे किसानों में असुरक्षा का भाव पैदा हुआ और किसान गांव का मोह त्याग कर शहरों की तरफ पलायन करने लगा। सरकारों को 71 फीसदी ग्रामीण आबादी जो की कृषि कार्य से जुड़ी हुई थी पर ध्यान देने के बजाय शहरी छेत्रों पर ही अपना ध्यान केंद्रित किया जिससे हमारे ग्रामीण अंचलों का विकास नहीं हुआ और आज भी हमारे देश की 65 फीसदी भूमि असिंचित है। जबकि दो दसक पूर्व ही अटल बिहारी वाजपाई जी ने इस समस्या के निदान के लिए नदियों से नदियों को जोड़ने की योजना बनाई थी लेकिन दूसरी सरकारों ने इसे

नजरअंदाज कर दिया और हमारा किसान आज सूखे व बाढ़ की मार झेल रहा है। इन्ही बातों को ध्यान में रखकर हमारी सरकार ने मध्य प्रदेश व आंध्र प्रदेश में नदियों से नदियों को जोड़ने का काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा की जब तक हमारा किसान सुखी व खुशहाल नहीं होगा, तब तक भारत का खुशहाल हो पाना संभव नही है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर हमारी सरकार ने शहरी क्षेत्रों के विकास के साथ साथ ग्रामीण छेत्रों व किसानों के विकास पर विशेष बल दे रही है। केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जागरुकता कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए चार उन्नतशील कृषकों रमेश कुमार वर्मा निवासी कासिमपुर को सब्जी उत्पादन, बिठाना देवी निवासी मोहनलालगंज को दुग्ध उत्पादन व रामचंद्र यादव और कमला देवी को शाल व स्मृत चिन्ह भेंट कर प्रोत्साहित किया। कृषक रमेश कुमार वर्मा ने आयोजन में मौजूद लोगों को बताया की उन्नत किस्म की सब्जी की खेती कर वह एक एकड़ भूमि से प्रति वर्ष लगभग तीन लाख रुपए की कमाई करता है। वहीं मोहनलालगंज छेत्र में दुग्ध उत्पादन का कार्य करने वाली बिठाना देवी ने मौजूद लोगों को बताया की शादी के बाद मायके से उसे एक गाय मिली थी। उसी गाय के सहारे वह दुग्ध उत्पादन के कार्य में लिप्त होकर आज लगभग 135 लीटर दूध प्रति दिन उत्पाद कर लोगों के लिए प्रेरणा बनी हुई है।

पूरी दुनिया में नहीं है ऐसी फसल बीमा योजना : राजनाथ

चेतना संवाददाता

लखनऊ 02 अप्रैल ।केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को किसानों से अपील की हैं कि वो केन्द्र सरकार द्वारा चलायी जा रही प्रानमंत्री फसल बीमा योजना तथा दूसरी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आगे आयें। गृहमंत्री आजं भारतीय गन्ना अनुसंान केन्द्र में हो रहे प्रानमंत्री फसल बीमा योजना जागरुकता कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे।

राजनाथ ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी देते हुए कहा कि ऐसी योजना पूरे विश्व में किसी देश में नहीं है जिसमें खड़ी और पड़ी फसल दोनों का ही बीमा होता हो। किसान का खेत खाली रह जाने पर भी उसे बीमा की रकम मिलेगी जिसका प्रीमियम उसे बेहद कम अदा करना पड़ेगा। रबी की फसल के लिए ये रकम सिर्फ 15 फीसदी होगी जबकि खरीफ के लिए महज दो फीसदी, शेष रकम सरकार वहन करेगी।

राजनाथ ने कहा कि प्रानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मिशन है कि 2022 तक देश के हर किसान की आमदनी दोगुनी हो जाए। इसीलिए प्रानमंत्री खासतौर पर किसानो से जुड़ी योजनाओं की हर महीने समीक्षा करते हैं। अब तक सिर्फ 2015 में ही 1 करोड़ किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिया गया है जो कि 2017 तक 9 करोड़ लोगों को देने की योजना है।

इसके साथ ही देश भर में 300 गावों को भी स्मार्ट सिटी की तर्ज पर स्मार्ट विलेज बनाने का प्रस्ताव है।

किसानों के लिए सिंचाई की आवश्यकता के बारे में बताते हुए गृहमंत्री ने कहा कि 5300 करोड़ का बजट सिर्फ प्रानमंत्री षि सिंचाई योजना के लिए है तथा वर्ष 2016 के खत्म होने तक 100 जिलो में सिंचाई की योजना तैयार कर ली जाएगी।

यही नहीं नदियों को जोड़ने की योजना भी मय प्रदेश और आंध्र प्रदेश में तेजी से रूप ले रही है।

माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़ें

चेतना संवाददाता

लखनऊ, 02 अप्रैल। तीन दिन के दौरे पर लखनऊ आये केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने आज माओवादियों से हिंसा का रास्ता छोड़ने की अपील. की है।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में हुए नक्सली हमले में सात सीआरपीएफ जवानों की शहादत को लेकर उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या का हल बातचीत से ही संभव है। श्री सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार बातचीत को तैयार है। इसके लिए नक्सलियों को आगे आना चाहिए। श्री सिंह ने उक्त बातें पत्रकारों से वार्ता के दौरान कही। केन्द्रीय गृहमंत्री ने राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले 15-16 साल में नक्सली समस्या की स्थिति में केन्द्र में एनडीए की सरकार बनने के बाद काफी सुधार हुआ है। श्री सिंह ने जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने को लेकर हो रही देरी पर कहा कि मिलीजुली सरकार बनाने में समय लगता है।

उन्होंने भरोसा जताया कि यहां पर बीजेपी-पीडीपी की जो सरकार जनता की आकांक्षा के अनुरूप होगी। दलित वोटों के प्रति राजनीतिक पार्टियों के रुझान पर केन्द्रीय गृहमंत्री ने कहा कि बीजेपी भेदभाव की राजनीति करने के बजाय सभी को साथ लेकर चलने में यकीन रखती है।.उप्र की सरकार के बुन्देलखंड पैकेज में कटौती के आरोप पर कहा कि केन्द्र सरकार ने बुन्देलखण्ड के बजट की काफी बढ़ोत्तरी की है।

वरिष्ठ अधिवक्ता एसजेएस सूरी ने की राजनाथ सिंह से भेंट

लखनऊ, 02 अप्रैल। वरिष्ठ भाजपा अधिवक्ता एसजेएस सूरी आज अपने दर्जनों समर्थकों के साथ केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर उनसे एक शिष्टाचार मुलाकात की। लखनऊ स्थित केन्द्रीय गृहमंत्री के सरकारी आवास चार कालीदास मार्ग पर पूर्व महानगर भाजपा अध्यक्ष मनोहर सिंह व वर्तमान महानगर भाजपा अध्यक्ष मुकेश शर्मा के साथ वरिष्ठ भाजपा अधिवक्ता एसजेएस सूरी ने अपने दर्जनों सिक्ख भाइयों के साथ केन्द्रीय गृहमंत्री से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान श्री सिंह ने श्री सूरी से बायोडाटा लिया और शीघ्र ही उनको संगठन में महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी देने का वादा किया।

राष्ट्रीय सहारा
सच कहने की हिम्मत
राष्ट्रीयता • कर्त्तव्य • समर्पण
...दून • वाराणसी से प्रकाशित
लखनऊ। रविवार • 3 अप्रैल • 2016

300 स्मार्ट विलेज भी बनाएगा केन्द्र

■ आरोप-प्रत्यारोप से बुंदेलखण्ड के किसानों का भला नहीं होगा
■ नवम्बर तक 100 जिलों में पीएम सिंचाई परियोजना की कार्ययोजना होगी तैयार

लखनऊ (एसएनबी)। केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि स्मार्ट सिटी की तर्ज पर केन्द्र सरकार स्मार्ट विलेज भी बनाएगी। प्रथम चरण में देश भर में 300 गांवों को स्मार्ट विलेज बनाया जाएगा, जिसमें सभी आधारभूत शहरी सुविधाएं होंगी। उन्होंने बुंदेलखण्ड में किसानों की मदद को लेकर आरोप-प्रत्यारोप न लगाने की राज्य सरकार को नसीहत भी दी।

गन्ना अनुसंधान संस्थान में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर आयोजित कार्यशाला में सिंह ने कहा कि आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से सूबे के किसानों का भला नहीं होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को बुंदेलखण्ड के किसानों को मदद देने की अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए और कहा कि केन्द्र सरकार के स्तर से किसानों के मुद्दे पर हर संभव सहयोग दिया जाएगा। केन्द्र को अपनी जिम्मेदारी का पूरा अहसास है। उन्होंने कहा कि अभी 300 स्मार्ट विलेज का लक्ष्य ही रखा गया है, उन्हें चयनित करने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। गृहमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के नदियो को जोड़ने के प्रोजेक्ट पर अमल किया गया होता तो देश में पानी की किल्लत न होती, लेकिन अब केन्द्र सरकार रीवर लिंकिंग योजना को लेकर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सिंचाई परियोजना के लिए बजट में 5300 करोड़ का प्रावधान कर लिया गया है। नवम्बर तक 100 जिलों में कार्ययोजना तैयार करा ली जाएगी केन्द्र सरकार के बचे तीन वर्ष में किसानों की हर संभव मदद देकर उन्हें समर्थ बनाया जाएगा।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जागरूकता कार्यक्रम का गृहमंत्री ने किया उद्घाटन, कहा-

केंद्र सरकार बनाएगी 300 स्मार्ट गांव

अमर उजाला ब्यूरो

- बाढ़, सूखे से निजात के लिए नदियों को जोड़ने का काम आगे बढ़ाएंगे
- साल के आखिर तक बना लेंगे 100 जिलों के लिए सिंचाई परियोजनाएं

लखनऊ। केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जब तक गांव स्मार्ट नहीं बनेंगे, देश स्मार्ट नहीं बन सकता। केंद्र सरकार शहरों को विकसित करने के साथ ही 300 गांवों को स्मार्ट बनाएगी। इन गांवों में पक्की सड़क, बिजली, पानी, सफाई और स्वास्थ्य सुविधाएं होंगी। किसानों को बाढ़ और सूखे से निजात दिलाने के लिए नदियों को जोड़ने की योजना को आगे बढ़ाया जाएगा। यदि किसान अपनी उपज को दूसरे प्रदेशों में बेचना चाहते हैं तो उन्हें ई-प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा।

राजनाथ शनिवार को यहां भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान परिसर में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जागरूकता कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आजादी के समय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि का हिस्सा 52 फीसदी था जो अब घटकर मात्र 13 फीसदी रह गया है। नई तकनीक से जीडीपी में कृषि की हिस्सेदारी और खेती के प्रति किसानों के विश्वास को बढ़ाया जा सकता है।

देश में कभी बाढ़ तो कभी सूखे से फसलें बर्बाद हो जाती हैं। इससे निजात के लिए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नदियों को जोड़ने की योजना शुरू की थी। केंद्र सरकार इस काम को आगे बढ़ाएगी। देश में 60-65 फीसदी कृषि योग्य भूमि सिंचित नहीं है। इसके मद्देनजर केंद्र सरकार ने सिंचाई परियोजनाओं के लिए 5300 करोड़ रुपये का प्रतीकात्मक बजट आवंटन किया है। इस साल के अंत तक 100 जिलों की सिंचाई परियोजनाएं तैयार कर ली जाएंगी।

किसानों में हताशा, निराशा

गृहमंत्री ने कहा कि किसान अन्नदाता ही नहीं हैं, वे सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक आंदोलन के जन्मदाता भी हैं। आजादी की लड़ाई तभी सफल हुई जब गांव-गांव से इसकी आवाज उठी। स्वतंत्रता के बाद किसान और खेती के विकास पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। इसीलिए किसानों में हताशा और निराशा पैदा हुई है। सरकार की सोच है कि किसानों को सशक्त बनाए बिना स्वावलंबी और स्वाभिमानी भारत नहीं बन सकता। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प लिया है कि 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी कर दी जाएगी।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान परिसर में शनिवार को आयोजित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जागरूकता कार्यक्रम में लगे स्टॉल को देखते केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह।

चार किसानों को किया सम्मानित

राजनाथ ने समारोह में लखनऊ जिले के चार किसानों को सम्मानित किया। इनमें कासिमपुर निवासी एक एकड़ के रमेश कुमार वर्मा विदेशी सब्जियों की खेती कर रहे हैं जबकि मिरखनगर (मोहनलालगंज) की बिटाना देवी दूध उत्पादन में शानदार काम कर रही हैं। इसके अलावा मिर्जापुर बेंती के रामचंद्र यादव और कमला देवी को कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए सम्मानित किया गया।

2017 तक नौ करोड़ किसानों को मृदा हेल्थ कार्ड

राजनाथ ने कहा कि जमीन की उत्पादकता को बनाए रखने मृदा स्वास्थ्य परीक्षण योजना 2015 में शुरू की गई थी। अब तक एक करोड़ किसानों को मृदा हेल्थ कार्ड दिए जा चुके हैं। 2017 तक नौ करोड़ किसानों को हेल्थ कार्ड दे दिए जाएंगे। जैविक खेती पर भी ध्यान दिया जा रहा है। देश में आठ हजार ऑर्गेनिक क्लस्टर काम कर रहे हैं। दूध का उत्पादन 1460 लाख टन से बढ़कर 1600 लाख टन पहुंच गया है।

दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फसल बीमा योजना

गृहमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना देश ही नहीं, दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फसल बीमा योजना है। इसमें किसानों को न्यूनतम प्रीमियम पर अधिकतम लाभ दिया जाएगा। खेत-खलिहान में फसल की बर्बादी पर बीमा की रकम मिलेगी। फसल की बोआई न होने पर भी एक चौथाई बीमित राशि मिलेगी।

किसान की पीड़ा, न बीमा की रकम मिली, न राहत

राजनाथ ने किसानों से पूछा कि कितने लोग फसल का बीमा कराते हैं तो केवल एक हाथ उठा। उन्होंने बीमा कराने वाले गोसाईंगंज ब्लाक के दुल्हापुर हुसैनाबाद निवासी अंशुमान पटेल को मंच पर बुलाया। अंशुमान ने बताया कि पिछले साल गेहूं की फसल का बीमा कराया था। बारिश से फसल खराब हो गई लेकिन न तो बीमा की रकम मिली और न ही प्रदेश या केंद्र सरकार से कोई राहत।

खेती को विदेशी चंगुल से बचाएं वैज्ञानिक : कौशल

मोहनलालगंज के सांसद कौशल किशोर ने कहा कि 1994 में डंकल प्रस्ताव के जरिये फसलों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हाथों में देने के प्रयास किए गए। हाईब्रिड बीज, विदेशी खाद व कीटनाशकों का प्रयोग अनिवार्य किया गया। हाईब्रिड सीड के इस्तेमाल से देसी बीज खत्म हो जाएंगे। विदेशी साजिश है कि खेती हमारी रहे और फसल उनकी हो जाए। वैज्ञानिक देसी हाईब्रिड बीजों पर काम करें ताकि बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर किसानों की निर्भरता खत्म हो सके।

अमर उजाला

लखनऊ। शनिवार। 2 अप्रैल 2016

राजनाथ पहुंचे लखनऊ, कल तक रुकेंगे

लखनऊ (ब्यूरो)। केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह अपने संसदीय क्षेत्र के तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को राजधानी पहुंचे। वे रविवार तक लखनऊ में रहेंगे। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अमौसी हवाई अड्डे पर गृहमंत्री का स्वागत किया। एयरपोर्ट से निकलने के बाद गृहमंत्री कृष्णानगर स्थित शिवशंकर अवस्थी की माताजी एवं राजेंद्र नगर स्थित पार्टी के पूर्व प्रदेश महामंत्री विन्ध्यवासिनी कुमार की पत्नी के निधन पर शोक व्यक्त करने उनके आवासों पर पहुंचे।

महानगर मीडिया प्रभारी अवधेश गुप्ता छोटू ने बताया कि 4 कालिदास मार्ग स्थित आवास पर पहुंचने के बाद गृहमंत्री से कई प्रतिनिधि मंडलों ने मुलाकात की। इनमें वरिष्ठ वैज्ञानिक एसके तिवारी, पंकज श्रीवास्तव, माध्यमिक शिक्षक संघ पांडेय गुट के नेता अमरनाथ सिंह समेत कई अन्य शामिल हैं। वहीं विधान परिषद में नेता हृदयनारायण दीक्षित, युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अभिजात मिश्र ने भी मुलाकात की।

गृहमंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को पार्टी के पूर्व प्रदेश महामंत्री विन्ध्यवासिनी कुमार की पत्नी के निधन पर शोक जताने राजेंद्र नगर स्थित उनके आवास पर पहुंचे।

आज कई कार्यक्रमों में होंगे शामिल

भाजपा जिला अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने बताया कि गृहमंत्री शनिवार को सुबह 10 बजे रायबरेली रोड स्थित गन्ना अनुसंधान संस्थान में प्रधानमंत्री फसल बीमा जागरूकता कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद 11.30 पर वे राम राम बैंक चौराहे पर पार्टी के वरिष्ठ नेता नीरज बोरा की ओर से आयोजित होली मिलन समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद वे अपराह्न 12.30 बजे गोमतीनगर स्थित एक होटल में प्रशांत भाटिया द्वारा आयोजित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के पुनर्जागरण सम्मेलन में शिरकत करेंगे। शाम 4 बजे कुर्सी रोड स्थित इंट्रीगल विवि में अल्पसंख्यक समुदाय के कौशल विकास योजना के केंद्रों का उद्घाटन करेंगे। शाम 5.30 बजे मोती महल वाटिका राणा प्रताप मार्ग में आयोजित रामकथा में शामिल होंगे। इसके बाद वे शाम 6.45 पर फैजाबाद रोड स्थित नीलकंठ लॉन में विधायक आशुतोष टंडन द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह और रात 8 बजे पोस्ट ऑफिस निरालानगर में एलपी मिश्र की ओर से आयोजित होली मिलन समारोह में शामिल होंगे।